



Baburao Gujarathi

02 Nov 1970

Model: Numerology-Report

Order No: 121817101

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121817101

Date: 04/04/2026

नाम	Baburao Gujarathi
जन्म तिथि	02/11/1970
मूलांक	2
भाग्यांक	3
नामांक	9
मूलांक स्वामी	चन्द्र
भाग्यांक स्वामी	गुरु
नामांक स्वामी	मंगल
मित्र अंक	7, 9, 3
शत्रु अंक	5, 8
सम अंक	1, 4, 6
मुख्य वर्ष	1982,1991,2000,2009,2018,2027,2036,2045
शुभ आयु	12,21,30,39,48,57,66,75
शुभ वार	सोम, रवि, शुक्र
शुभ मास	फर, जुला, सित
शुभ तारीख	2, 11, 20, 29
शुभ रत्न	मोती
शुभ उपरत्न	चन्द्रमणि
अनुकूल देव	शिव
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः
शुभ यंत्र	चन्द्र यंत्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

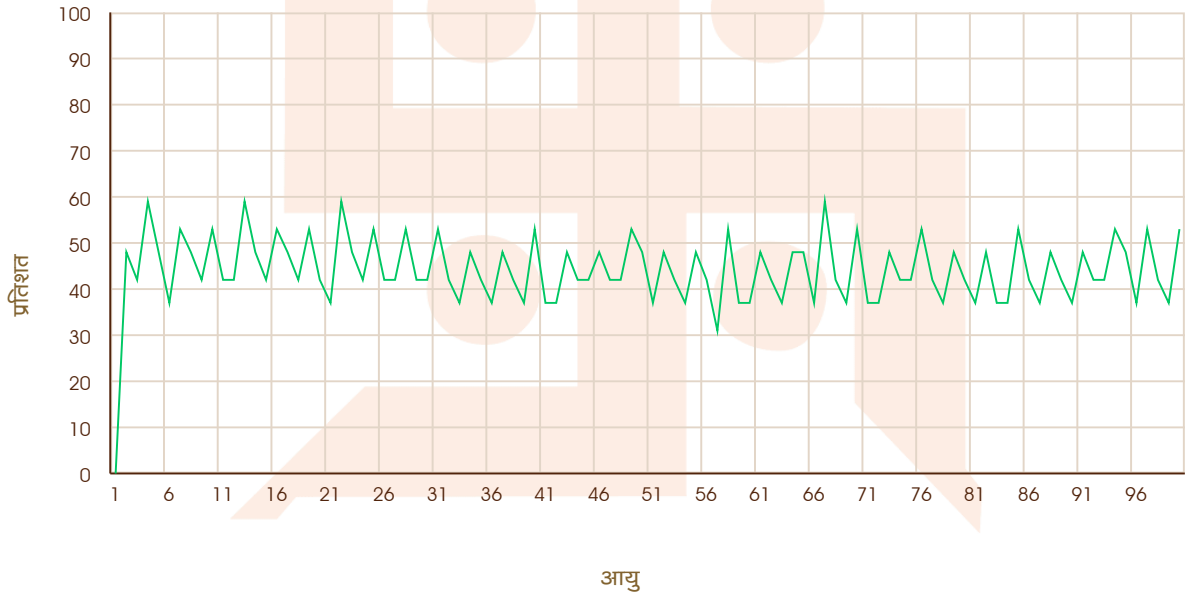
Ankijotish Insights

Hyderabad Telangana India

7995233535

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1982,1991,2000,2009,2018,2027,2036,2045

शुभ आयु 12,21,30,39,48,57,66,75

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक दो होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक दो होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। जिसके प्रभाववश आप एक कल्पनाशील, कलाप्रिय एवं स्नेहशील स्वभाव के व्यक्ति रहेंगे। आपकी कल्पनाशक्ति उच्च कोटि की रहेगी, लेकिन शारीरिक शक्ति आपकी बहुत अच्छी नहीं रहेगी। आपका बुद्धि चातुर्य काफी अच्छा होगा एवं बुद्धि विवेक के कार्यों में आप दूसरों से बाजी मार ले जायेंगे। जिस प्रकार से आपके मूलांक स्वामी चन्द्रमा का रूप एकसा नहीं रहता समयानुसार घटता-बढ़ता रहता है, उसी तरह आप भी अपने जीवन में एक विचार या योजना पर दृढ़ नहीं रहेंगे।

आपकी योजनाओं में बदलाव होता रहेगा एवं एक योजना को छोड़कर दूसरी को प्रारम्भ करने की प्रवृत्ति आपके अन्दर पाई जायेगी। धीरज एवं अध्यवसाय की आप में कमी रहेगी। इससे आपके कई कार्य समय पर पूर्ण नहीं होंगे। आत्म विश्वास की मात्रा आप के अन्दर कम रहेगी एवं स्वयं अपने ऊपर पूर्ण भरोसा नहीं रख पायेंगे, जिससे कभी-कभी आपको निराशा का सामना करना पड़ेगा।

आपकी सामाजिक स्थिति उत्तम दर्जे की रहेगी एवं मानसिक रूप से जिसे आप अपना लेंगे वैसे ही लाभ आपको प्राप्त होंगे। जनता के मध्य आप एक लोकप्रिय व्यक्ति रहेंगे, तथा स्वयं की मेहनत से अपनी सामाजिक स्थिति निर्मित करेंगे।

आपको अवस्थानुसार नेत्र, उदर, एवं मूत्र संबंधी रोगों का सामना करना पड़ेगा, मानसिक तनाव तथा शीतरोग भी परेशान करेंगे। जल से उत्पन्न रोग कफ, सर्दी-जुकाम, सिरदर्द की शिकायतें भी यदाकदा होंगी।

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

आपका मूलांक 2 है तथा आपका भाग्यांक 3 है। मूलांक स्वामी चंद्र एवं भाग्यांक स्वामी गुरु का आपस में सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपके अंदर चंद्र एवं गुरु दोनों ग्रहों के प्रभाव आएंगे। चंद्र-गुरु के योग से आप महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करेंगे एवं उच्च अधिकार

संपन्न रहेंगे। आप अपने जीवन में किसी संस्था की स्थापना कर के उसके स्वामी या संरक्षक बन सकते हैं अथवा आप विभिन्न संस्थाओं, सामाजिक संगठनों में पद प्राप्त करेंगे। आपका भाग्योदय शिक्षा एवं अध्यात्म के क्षेत्र में हो सकता है, अथवा इन क्षेत्रों में आपकी रुचि बनी रहेगी। मूलांक-भाग्यांक के प्रभाववश आपको धन एवं संपत्ति प्राप्त होगी। आप एक धार्मिक, ज्ञानवान व्यक्ति के रूप में अपना नाम रोशन करेंगे। धन-संपत्ति एवं वैभव आपको अपने बुद्धि-चातुर्य तथा श्रम से प्राप्त होंगे। आपके भाग्योदय में कभी-कभी तर्क शक्ति द्वारा रुकावटें भी उत्पन्न होंगी। आप सत्य वक्ता रहेंगे, जो कभी-कभी सामने वाले को अच्छा नहीं लगेगा।

आपका भाग्योदय 21 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा। 29 वर्ष की अवस्था पर उन्नति प्राप्त होगी तथा 39 वर्ष की अवस्था से विशेष भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 2 की मित्रता 7 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 3 की मित्रता 6 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 2, 3, 6, 7, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इससे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए फरवरी, मार्च, जून, जुलाई, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 2, 3, 6, 7, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं

घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Baburao Gujarathi
2+1+2+6+2+1+7 3+6+1+1+2+1+4+5+1
नाम का योग : 45 नामांक : 9

आपके नाम का कुल योग पैंतालीस होता है। चार एवं पाँच के योग से नौ आपका नामांक होता है। अंक चार का स्वामी हर्षल एवं पाँच का स्वामी बुध ग्रह को माना गया है। नामांक नौ का स्वामी मंगल ग्रह है। इन तीनों ग्रहों के प्रभाव आपके नाम को प्रभावित करेंगे। हर्षल के प्रभाव से आप एक संघर्षशील व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे। आप जमाने से काफी आगे की सोच रखेंगे। समाज में आप ख्याति प्राप्त करेंगे। बुध के प्रभाव से आप जो भी कार्य हाथ में लेंगे उसे जल्दी समाप्त करना पसंद करेंगे। आप ऐसा कार्य क्षेत्र अपनायेंगे जिसमें मेहनत कम और लाभ अधिक मात्रा में प्राप्त हो। जल्दबाजी के कारण आपको हानि का सामना भी करना पड़ेगा। स्वास्थ्य आपका उत्तम रहेगा। आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना होगा तभी अच्छी सफलता मिलेगी। नामांक स्वामी मंगल के प्रभाव से आपको खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से हानि की संभावना रहेगी। आपको हमेशा सौम्य व्यवहार रखना भाग्य में वृद्धि कारक रहेगा।

आपके नाम का नामांक 9 है। आपके नामांक का आपके मूलांक 2 से सम संबंध तथा भाग्यांक 3 से मित्र संबंध है। इसके प्रभाववश आपका नाम आपके भाग्य से अच्छी सफलताएं अर्जित करने में सफल होगा। आपके भाग्यांक का पूर्ण सहारा आपको प्राप्त होगा और आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में नाम तथा यश प्राप्त करने में सफल रहेंगे। भाग्यांक के प्रभाव से आपको वांछित सफलताएं भाग्यांक के अंकों की आयु पर प्राप्त होंगी। मूलांक से सम संबंध होने के कारण आपको मूलांक के अंकों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में प्राप्त होगा। अतः आप चाहें तो मूलांक का पूर्ण प्रभाव प्राप्त करने हेतु अपने नाम में आंशिक परिवर्तन कर सकते हैं। जिससे आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही अच्छे संबंध बन जाएं।

आपके नामांक का आपके मूलांक 2 से मिलान ठीक नहीं है, लेकिन भाग्यांक 3 से मिलान हो रहा है। मूलांक से मिलान न होने के कारण आपका नाम पूर्णतः सफल नहीं हो सकेगा और जीवन में संघर्ष, अवनति आदि की वृद्धि करेगा। आप अपने नाम का पूर्ण शुभ फल पाने हेतु अपने नाम को नामांक से भी मिलान करना अच्छा रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव करें जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से मिलान करे तथा उसका नामांक 9

आता हो और 8 न हो तो ऐसा नाम आपको अच्छी सांसारिक सफलताएं देगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 6,7,3,2 अंक शुभ रहेंगे तथा 4,5 अंक अशुभ रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$

लोशु फल

	9	2 2
4	9	2
3		7
3	5	7
	1 1 1	
8	1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - तीन बार

आपके लोशु चार्ट में एक अंक तीन बार उपस्थित है। आप या तो बहुत अधिक बातें करते हैं, या कभी-कभी बिल्कुल शांत होकर, आत्ममंथन करना पसंद करते हैं। सच्चाई यह है कि वास्तव में आपके अंदर दोनों ही विशेषताएं होती हैं। परंतु आपके व्यक्तित्व का प्रदर्शन परिस्थिति पर निर्भर करता है। आपका प्रायः सभी से मिलाजुला संबंध होता है। न तो किसी से ज्यादा दोस्ती होती है और न ही शत्रुता का भाव। आप अपनी वाक्पटुता और व्यवहार से अपने साथी को खुश रखते हैं। दांपत्य जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए आप अपनी पत्नी की हर जरूरत का ध्यान रखते हैं। आप श्रेष्ठ बुद्धि के बल पर कार्यक्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल करते हो। आप अपने लाभ के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। आप निरंतर अपने काम में लगे रहते हैं और नये-नये परिवर्तन तथा आविष्कारों से अपने नाम को रौशन करने का

प्रयास करते हैं। आप हर काम करने से पहले कई बार सोचते हैं। आप अपने कामों में नवीनता लाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं। आप नौकरी और व्यवसाय दोनों से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। तीन बार 1 अंक वाले जातक प्रायः प्रसन्नचित एवं बहिर्मुखी होते हैं, और बहुत से प्रसिद्ध व्यक्तियों के चार्ट में यह संयोग होता है।

अंक 2 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक दो बार उपस्थित हैं। अतः आप बुद्धिमान, संवेदनशील व अंतर्ज्ञानि हैं, आप अपने अंतर्ज्ञान प्रतिभा का अच्छा उपयोग कर पाने में सक्षम हैं। आप में दूसरे व्यक्तियों के उद्देश्य को जानने की अदभुत क्षमता है एवं उनका प्रयोजन तुरंत जान लेते हैं। आप एक नजर में दूसरों का आंकलन करने में माहिर हैं, अपने जीवन के क्षणों को व्यर्थ नहीं गंवाते, आप समय की कीमत जानते हैं। किसी भी कार्य का आप तुरंत निर्णय कर लेते हैं और आपके निर्णय सही भी होते हैं। आपका सबसे महानतम गुण है कि आप परिस्थिति के अनुसार अपने आप को ढाल लेते हैं, समय और परिस्थिति के अनुसार अपने आपको बना लेने की इनमें अदभुत क्षमता होती है, इसी कारण समाज में हर जगह आपको सम्मान मिलता है, धन की कोई कमी नहीं होती, आप अपनी बुद्धि के बल पर आसानी से धनार्जन कर लेते हैं। आपके जीवन में कोई न कोई सहायक बना रहता है, यदि एक पीछे हट जाता है। तो दूसरा सहायक मिल जाता है, इस प्रकार आपके जीवन में सच्चे सहायकों की कमी नहीं रहती।

अंक 3 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में तीन अंक एक बार उपस्थित है। अतः आपकी स्मरण शक्ति तीव्र तथा मस्तिष्क तीक्ष्ण व विचारोत्पादक होता है, आप व्यावहारिक होते हैं, और अपने लक्ष्य तक पहुंचने में आपका दृष्टिकोण बहुधा आशावादी ही होता है, अपनी सकारात्मक सोच व आशावादी दृष्टिकोण से दूसरों को प्रेरणा देने में भी सक्षम होते हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से आप विशेष सुदृढ़ हो, आप बड़े स्वाभिमानी हैं। किसी के आगे झुकना नहीं चाहते, स्वतंत्र प्रकृति के होते हैं, मित्र अधिक होते हैं और उनसे ही लाभ मिलता है। आप उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं, अध्ययनशील तथा पढ़ने लिखने में दक्ष होते हैं, कला, विज्ञान और साहित्य में आपकी रुचि होती है, आपका रचनात्मक दिमाग और उतकृष्ट स्मृति है। आप में से कुछ लोग जमीन से जुड़े होते हैं, आप अपने लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हो, आप अपनी आशावादिता और ईमानदारी से दूसरों को प्रेरित करने में सक्षम हो। आप जिस कार्य को करने की ठान लेते हैं तो उसे करके ही छोड़ते हैं। साथ ही आप एक अच्छे विचारक, दूरदर्शी, संभावित घटनाओं को भांप लेने वाले होते हैं।

अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती

है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

अंक 5 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 5 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप लक्ष्य निर्धारण में कठिनाई का अनुभव करते हैं, और आपमें बहुमुखी प्रतिभा व इच्छा शक्ति का अभाव होता है। आप वार्तालाप करने में असफल, पढ़ने में मन न लगना व पैसे का अभाव बना रहता है। आप जल्दी ही धैर्य छोड़ देते हैं, सफलता भी आसानी से नहीं मिलती, क्योंकि इनका बात करने का ढंग अच्छा नहीं होता है। चोट-चपेट और दुर्घटनाओं का दुर्योग बनता है। शस्त्राघात व दुर्घटना की संभावना जीवन में हमेशा रहती है। आपको हमेशा ही वाहन आदि सावधानी से चलने चाहिए। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों और उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, आपके पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। आपको दूसरों से सतत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको चाहिए कि यथार्थ लक्ष्य को निर्धारित करना सीखें, और उसे प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले लक्ष्य की ओर बढ़ें। अंक पांच की चार्ट में अनुपस्थिति सामान्य है।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चतता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य अथवा संपत्ति खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव

अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप आंतरिक बातों को समझने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। आपके शरीर के निचले अंगों में चोट लगने अथवा रोग की प्रायः संभावना रहती है। आप किसी भी कार्य को स्वयं करने में समर्थ होते हैं। आप अव्यवहारिक, अत्यधिक कल्पना, और भयभीत रहते हो, जिस कारण आपको रोजमर्रा की जिंदगी में अच्छी तरह से काम करना मुश्किल हो जाता है। कई बार आपकी अत्यधिक स्पष्टवादिता एवं अपनी पहचान का अहम कई बार आपको दूसरों का गुलाम बना देता है। आपकी स्मरणशक्ति कमजोर होती है, इस कारण आप दैनिक जीवन के कार्यों में कठिनाता का अनुभव करते हैं।

अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिलकुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

अंक 9 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप महत्वाकांक्षी होते हैं और उन्नति करने की तीव्र आकांक्षा रखते हैं। लोग अनायास ही आपकी तरफ आकर्षित हो जाते हैं। आप देश में हो या विदेश में किसी भी काम में पूरी तरह से सफलता प्राप्त करते हैं। जब आप स्वार्थरहित होकर कार्य करते हैं, तो आपमें आकर्षण अधिक होता है, आप हमेशा चारों ओर घूमते नजर आते हैं। विभिन्न क्षेत्र के लोगों से मिलते हुए उन्हें समझते हुए प्रेम एवं सहानुभूति प्रदान करते हुए, इस अंक के लोगों को देखा गया है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, आप लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। जब आप दूसरों के हित के लिए कार्य करते हैं, तो आपका अंतर्ज्ञान तथा विलक्षण प्रतिभा तथा चारित्रिक दृढ़ता अविस्मरणीय परिणाम देती है। अंक नौ की अवस्थिति मानसिक स्तर तथा क्रियात्मक पंक्ति दोनों में है। यही एक कारण है कि मनुष्य जाती की उपलब्धियां 20वीं सदी में प्रचुर रहीं हैं। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि हम में से बहुतों को अभी मानवता प्रेम का पाठ पढ़ना शेष है।

केंद्र के चार अंकों (9, 3, 1, 7) की उपस्थिति -

आपके लोशु चार्ट में केंद्र के चार अंक (9, 3, 1, 7) उपस्थित है। अतः यह अत्यंत शुभ स्थिति

बनती है, आप तीव्र बुद्धि के दयावान, नई-नई अचीवमेंट हासिल करने वाले होते हैं। आप अपना लक्ष्य निर्धारण करके चलते हैं, इसलिए जॉब और विजनेस दोनों में ही सफलता प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन व्यावसायिक गतिविधियों में अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। आपके ऊपर भगवान का पूरा आश्रीवाद बना रहता है, एक के बाद एक चीज प्राप्त होगी, आप निष्ठावान भावुक और दूसरों की मदद करने वाले हैं। आपमें दूसरों की भावना समझने की योग्यता है। आप कठिन एवं मुश्किल परिस्थिति में नहीं घबराते, आप बेहद चतुर कूटनीतिज्ञ, राजनीतिज्ञ होते हैं। केंद्र स्थानों में पहला केंद्र 9 अंक है, जिसके स्वामी ग्रह मंगल हैं, जो पराक्रम के कारक, दूसरा केंद्र 3 अंक है। जिसके स्वामी गुरु हैं, जो ज्ञान के कारक हैं, तीसरा केंद्र 1 अंक है, एक अंक सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है, और सूर्य आत्मबल के कारक हैं, चौथा केंद्र 7 अंक है जो केतु का प्रतिनिधित्व करता है, और केतु है अध्यात्म, इस प्रकार इन चारों केंद्रों का भरा होना आपके लिए अत्यंत शुभता की स्थिति बना रहा है।

शंका के अंक - 4. 5 व 6

आपके लोशु चार्ट में 4. 5 व 6 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आप शंकालु, सनकी व चिड़चिड़े होते हैं, आप व्यग्र, जोखिम भरे साहसिक कार्य करने वाले, तथा कामुक प्रवृत्ति के होते हैं। आपमें बदले एवं पच्छतावे की भावना अधिक होती है, चिंता करना आपका स्वभाव होता है। और आप जीवन के ऋणात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। आप ऐसे व्यक्ति का परिचायक हैं, जो अंधेरे में रहने का आदि हो, और दिन के प्रकाश में कम निकलता हो, आप लोग जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने से डरते हैं। आपको जीवन में उतार-चढ़ाव, निराशा एवं दुःख का सामना करना पड़ता है, इसके लिए आप स्वयं उत्तरदाई होते हैं क्योंकि आप लोग दूसरों से अपेक्षा से अधिक आशा कर लेते हैं। आप परिवार एवं दोस्तों का काफी ख्याल रखते हैं, तथा आप अपने नजदीकी लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। कई बार आप सनकी और उन्मादी भी हो जाते हैं, जिसके कारण कई बार प्रियजनों से आपको समस्या भी हो जाती है।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और

दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालाँकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और कश्मिर्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

सूर्य 16 जुलाई से 16 अगस्त तक कर्क राशि में रहता है। कर्क राशि चंद्रमा की स्वयं की राशि है। 13 मई से 14 जून तक सूर्य वृष राशि में होता है, जो कि चंद्रमा की उच्च राशि है। अतः यह समय मूलांक दो के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

आपके लिए कोई भी नया या शुभ कार्य करने हेतु सोमवार, शुक्रवार तथा रविवार के दिन अच्छे सिद्ध हो सकते हैं। यदि इन्हीं वारों में आपके मूलांक की तारीख भी हो तो ऐसा दिन सभी कार्यों के लिये अच्छा रहेगा।

शुभ तारीखें

जब कभी आपको कोई महत्वपूर्ण कार्य करना हो, नया कार्य या व्यापार प्रारंभ करना हो, अथवा किसी को विशेष पत्र लिखना हो या किसी से विशेष कार्यवश मिलने जाना हो तो आप किसी भी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को ये सारे कार्य करें। यदि इन तारीखों में आपका अनुकूल वार भी रहता है तो ऐसा दिन आपके कार्यों में प्रगति देने वाला रहेगा।

अशुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी मास की 5, 8, 14, 17, 23 एवं 26 तारीखें कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए ठीक नहीं रहेंगी। अतः इन तारीखों में सोच-समझ कर ही कोई शुभ कार्य करें।

मित्रता या साझेदारी

किसी से भी मित्रता करते समय यह देखना आपके हित में रहेगा कि यदि उसका जन्म अंग्रेजी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को हुआ हो अथवा 13 मई से 14 जून एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो तो ऐसे व्यक्ति आपके लिए हितकारी सिद्ध हो सकते हैं।

प्रेम संबंध एवं विवाह

आपके लिए मूलांक 2, 7 एवं 9 प्रभावित महिलाएं अच्छी साथी सिद्ध हो सकती हैं। आपको चाहिए कि आप इन्हीं मूलांक वाली महिलाओं से मित्रता इत्यादि रखें, या ऐसी महिलाएं जिनका जन्म किसी भी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को हुआ हो अथवा 13 मई से 14 जून एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो तो ऐसी महिलाएं हमेशा आपके अनुकूल रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपको अपने वस्त्रों का चुनाव करते समय सफेद, काफूरी, हरा एवं अंगूरी रंगों का उपयोग अधिक मात्रा में करने पर वांछित लाभ प्राप्त होंगे। हो सके तो आप अपने कमरे के पर्दे, चादर, तकिया इत्यादि में इन रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन रंगों का रुमाल तो हमेशा अपने पास रखना आपके लिए विशेष लाभप्रद रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए उत्तर-पश्चिम में वायव्य कोण स्थान में रहना शुभ रहेगा। जिस क्षेत्र में आप रहते हों, यदि वह वायव्य कोण में स्थित होगा तो अधिक अनुकूल रहेगा। मकान के नंबर का योग यदि 2, 7, या 9 आता हो तो ऐसा भवन आपके लिए अधिक सुविधाजनक रहेगा।

शुभ वाहन नं

आपके वाहन के पंजीकरण हेतु अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल रखने वाले अंकों को लेना अच्छा रहेगा। आपका मूलांक 2 होने से आपके शुभ अंक 2,7,9 रहेंगे। यहां आपके वाहन इत्यादि के पंजीकरण क्रमांक के शुभ अंक भी रहेंगे, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5231=2 इत्यादि। यात्रा के वाहनों में भी इन अंकों का उपयोग करें, जिसके फलस्वरूप आपकी यात्रा सुखमय रहेगी। अगर आप होटल आदि में कमरा इत्यादि लेते हैं तो उसके लिए भी यही नंबर 2,7,9 इत्यादि लें, जैसे कमरा 101 = 2। तभी आपके लिए वह कमरा अच्छा साबित होगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको कमजोरी, क्षीणता, उद्वेग, मस्तक पीड़ा, छोटी-छोटी दुर्घटना, हृदय रोग, संवेदनशीलता, भावुकता, स्नायु दुर्बलता, कब्ज, आंत रोग, मूत्र रोग, गैस रोग इत्यादि होंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको शिव उपासना पर बल देना चाहिए।

व्यवसाय

आपके लिए रोजगार-व्यापार हेतु ये क्षेत्र अनुकूल रहेंगे, जैसे द्रव्य पदार्थ, तैलीय कार्य, समुद्र यात्रा, मुख्यावास या उच्च स्थान प्राप्ति, पशु व्यवसाय, चीनी मिल, अन्न का व्यवसाय, तैराकी, रसपूर्ण पदार्थ, दूध, दही, घृत, कागज, जल, कृषि एवं चीनी के व्यवसाय एवं औषधि विक्रेता, भ्रमण कार्य, एजेंट, प्रतिनिधित्व, संपादन, लेखन, संगीत, अभिनय, नृत्य, भूप्रबंध, मकानों की ठेकेदारी, चिकित्सा, मोती, हार, मणि, माणिक्य, रत्न इत्यादि का क्रय विक्रय, पत्थर व भूगर्भ इत्यादि के कार्य।

व्रतोपवास

जिस दिन सोमवार को चित्रा नक्षत्र हो उस दिन से चंद्रमा का व्रत प्रारम्भ करें। विधान के अनुसार 54 सोमवार तक अथवा न्यूनतम सात सोमवार व्रत आवश्यक है। व्रत के

दिन श्वेत वस्त्र धारण करें एवं श्वेत वस्तुओं का दान करें तथा चंद्रमा के मंत्र का यथा शक्ति, मोती की माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

पांच रत्ती मोती आपके लिए प्रमुख रत्न है। यदि आप मोती धारण ना कर सकें तो मूनस्टोन, चंद्रमणि, दूधिया हकीक, सोमवार की सुबह दायें हाथ की कनिष्ठा अंगुलि में, चांदी की अंगूठी में जड़वा कर लाभ के चौघड़िया मुहूर्त में धारण करें।

अनुकूल देवता

आप चंद्रोपासना करें अथवा भगवान शिव की आराधना करें। भगवान शिव के पंचाक्षरी मंत्र ओम् नमः शिवाय का नित्य जप करें। प्रति सोमवार को कम से कम इक्कीस या एक सौ आठ बेल पत्र भगवान शिव को अर्पित करेंगे तो इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों से समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान शिव के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपको चंद्र के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु चंद्र के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

चंद्र गायत्री मंत्र - अमृतांगाय विद्महे कलारूपाय धीमहि तन्नः सोमः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप चंद्र का ध्यान करें, मन में चंद्र की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

दधि शंख तुषाराभं क्षीरोदारणव संभवम्।
नमामि शशिनं भक्त्या शम्भोमुकुटभूषणम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ चंद्र को अनुकूल बनाने हेतु चंद्र के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ तीस माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ श्रौं श्रीं श्रौं सः चंद्रमसे नमः ॥ जप संख्या 13000 ॥

वनस्पति धारण

आप सोमवार के दिन एक इंच लंबी खिरनी की जड़ ला कर, सफेद ऊन के धागे में लपेट कर, गले या दाहिने हाथ में बांधे, स्वर्ण या तांबे ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे चंद्र ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके प्रत्येक सोमवार को एक बाल्टी या बर्तन में पंच गव्य-चांदी, मोती, शंख, सीप और कुमुद आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ चंद्र का प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, इन सबको मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

चंद्र की शांति हेतु योग्य व्यक्ति के लिए चंद्र के पदार्थ, चावल, कपूर, सफेद वस्त्र, चांदी, शंख, वंशपात्र, सफेद चंदन, श्वेत पुष्प, चीनी, वृषभ, दधि, मोती आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

चंद्र को अनुकूल बनाए रखने हेतु चंद्र यंत्र को भोजपत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, चांदी की जंजीर या लाल धागे में, सोमवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।